आज एंटिओक कहाँ है—और यह मसीहियों के लिए क्यों महत्वपूर्ण
है?

प्रश्न: प्राचीन शहर एंटिओक आज कहाँ स्थित है, और उससे हमें कौन-सा आध्यात्मिक संदेश मिलता है?

उत्तर:
एंटिओक—जिसे आज अंताक्या कहा जाता है—आधुनिक तुर्की के दक्षिण में, उत्तरी सीरिया की सीमा के पास स्थित है।

प्रारम्भिक कलीसिया का एक अत्यंत महत्वपूर्ण शहर

एंटिओक शुरुआती मसीही इतिहास में बेहद महत्वपूर्ण स्थान रखता है। यह पहला प्रमुख शहर था जहाँ बड़ी संख्या में अन्यजातियों (गैर-यहूदियों) ने यीशु मसीह के सुसमाचार को अपनाया।
यद्यपि कलीसिया की शुरुआत यरूशलेम में हुई, पर यही एंटिओक वह स्थान है जहाँ पहली बार यीशु के अनुयायी “मसीही” कहलाए—एक ऐसा नाम जो उनकी नई पहचान को दर्शाता है: मसीह से सम्बंधित लोग।

प्रेरितों के काम 11:26 (ERV-Hindi)

“जब बरनबास ने उसे ढूँढ लिया, तो वह उसे एंटिओक ले गया। और वे दोनों एक वर्ष तक वहाँ कलीसिया के साथ इकट्ठे होते रहे और
बहुत लोगों को शिक्षा देते रहे। और एंटिओक में ही पहली बार चेलों को ‘मसीही’ कहा गया।”

आज एंटिओक कहाँ है—और यह मसीहियों के लिए क्यों महत्वपूर्ण
है?

एंटिओक हमें दिखाता है कि सुसमाचार केवल यहूदियों तक सीमित नहीं रहा—यह सभी जातियों के लिए खुला मार्ग बन गया। यह शहर राष्ट्रों तक सुसमाचार पहुँचने का प्रमुख द्वार बना।

साथ ही, एंटिओक प्रेरितों, नबियों और शिक्षकों का एक जीवंत आध्यात्मिक केन्द्र था। पौलुस की पहली मिशनरी यात्रा भी यहीं से आरम्भ हुई, जिसने आगे चलकर सुसमाचार को यूरोप तक पहुँचाया।

प्रेरितों के काम 13:1–2 (ERV-Hindi)

“अब एंटिओक की कलीसिया में कुछ नबी और शिक्षक थे—बरनबास,
नीगर कहलाने वाला शमौन, कुरेनी का लूकीयस, हेरोदेस चौथाई देशाध्यक्ष का पालन-साथी मनाएन्, और शाऊल। जब वे प्रभु की आराधना कर रहे थे और उपवास कर रहे थे, तो पवित्र आत्मा ने
कहा, ‘मेरे लिए बरनबास और शाऊल को उस काम के लिये अलग करो
जिसके लिये मैंने उन्हें बुलाया है।’”

परमेश्वर की अगुवाई में पौलुस और बरनबास मिशन के अग्रदूत बनकर निकले। यात्रा पूरी करने के बाद वे फिर एंटिओक लौटे और परमेश्वर के कार्य की गवाही दी।

प्रेरितों के काम 14:26 (ERV-Hindi)

आज एंटिओक कहाँ है—और यह मसीहियों के लिए क्यों महत्वपूर्ण
है?

“और वे पंफूलिया से होकर अत्तल्या आए। वहाँ से जहाज़ पर
चलकर वे एंटिओक पहुँचे जहाँ उन्हें उस काम के लिये परमेश्वर
के अनुग्रह के सुपुर्द किया गया था जिसे उन्होंने पूरा कर
लिया था।”

एंटिओक हमें क्या सिखाता है?

1. परमेश्वर का अनुग्रह सबके लिए है

एंटिओक दिखाता है कि सुसमाचार जाति और संस्कृति से ऊपर है। जैसा पौलुस ने लिखा:

गलातियों 3:28 (ERV-Hindi)

“न तो कोई यहूदी है और न यूनानी… क्योंकि तुम सब मसीह यीशु में एक हो।”

2. कलीसिया को मिशन-केन्द्रित रहना चाहिए

आज एंटिओक कहाँ है—और यह मसीहियों के लिए क्यों महत्वपूर्ण
है?

एंटिओक की कलीसिया केवल अपने भीतर नहीं, बल्कि बाहर की दुनिया की ओर भी देखती थी।
सच्ची आत्मिक परिपक्वता सुसमाचार को आगे बढ़ाने में दिखाई देती है।

3. यदि जागृति की रक्षा न की जाए, तो वह खो सकती है

दुख की बात है कि आज अन्ताक्या में बहुत कम मसीही बचे हैं। जहाँ कभी आत्मिक ज्योति चमकती थी, आज वह स्थान अंधकार में है—यह हम सबके लिए चेतावनी है।

प्रकाशितवाक्य 3:11 (ERV-Hindi)

“देख, मैं शीघ्र आने वाला हूँ। जो कुछ तेरे पास है उसे दृढ़ता से पकड़े रह कि कोई तेरा मुकुट न ले ले।”

4. आत्मिक महानता स्थायी नहीं होती

यीशु ने कहा:

मरकुस 10:31 (ERV-Hindi)

आज एंटिओक कहाँ है—और यह मसीहियों के लिए क्यों महत्वपूर्ण है?

“बहुत से पहले वाले पीछे रह जाएँगे और पीछे वाले पहले हो जाएँगे।”

यह सिद्धांत व्यक्तियों पर भी लागू होता है, कलीसियाओं और राष्ट्रों पर भी।

एंटिओक की हाल की त्रासदी

6 फरवरी 2023 को एंटिओक भयंकर भूकंप से हिल गया। 55,000 से अधिक लोग मारे गए और शहर का बड़ा हिस्सा नष्ट हो गया।
यह हमें याद दिलाता है कि यह संसार अस्थिर है—और हमें सदा अनन्त राज्य पर नज़र रखकर जीना चाहिए।

इब्रानियों 12:28 (ERV-Hindi)

“इसलिए जब हम एक ऐसी राज्य-व्यवस्था पाएँगे जिसे कोई हिला
नहीं सकता, तो आओ हम परमेश्वर की अनुग्रह की सहायता से ऐसे भक्तिपूर्वक और श्रद्धापूर्वक उसकी सेवा करें जिसे वह स्वीकार करे।”

आज एंटिओक कहाँ है—और यह मसीहियों के लिए क्यों महत्वपूर्ण है?

एंटिओक—एक प्रेरणा और एक चेतावनी

यह वही शहर है जहाँ से मिशनरियों ने संसार भर में सुसमाचार पहुँचाया।
लेकिन आज वही स्थान आत्मिक रूप से कमजोर है।

इसलिए हमें बुलाया गया है कि:

हम अपने विश्वास में दृढ़ रहें,
सुसमाचार को फैलाते रहें,
और अपनी आत्मिक दौड़ पूरी निष्ठा के साथ पूरी करें।

2 तीमुथियुस 4:7 (ERV-Hindi)

“मैं अच्छी लड़ाई लड़ चुका हूँ, मैंने दौड़ पूरी कर ली है,
मैंने विश्वास को संभाल कर रखा है।”

परमेश्वर हमें अंत तक विश्वासयोग्य और फलवन्त बने रहने की कृपा दे।

आज एंटिओक कहाँ है—और यह मसीहियों के लिए क्यों महत्वपूर्ण है?

शालोम।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp